✧˖°*❋ ❋*°˖✧

दुर्गा आरती: अम्बे तू है जगदम्बे काली
(Maa Durga Maa Kali Aarti lyrics)

✧˖°*❋ ❋*°˖✧

॥ दुर्गा आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

तेरे भक्त जनो पर,
भीर पडी है भारी माँ ।
दानव दल पर टूट पडो,
माँ करके सिंह सवारी ।
सौ-सौ सिंहो से बलशाली,
अष्ट भुजाओ वाली,
दुष्टो को पलमे संहारती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

माँ बेटे का है इस जग मे,
बडा ही निर्मल नाता ।
पूत – कपूत सुने है पर न,
माता सुनी कुमाता ॥
सब पे करूणा दरसाने वाली,
अमृत बरसाने वाली,
दुखियो के दुखडे निवारती ।

ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

नही मांगते धन और दौलत,
न चांदी न सोना माँ ।
हम तो मांगे माँ तेरे मन मे,
इक छोटा सा कोना ॥
सबकी बिगडी बनाने वाली,
लाज बचाने वाली,
सतियो के सत को सवांरती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

—— अतिरिक्त —-
चरण शरण मे खडे तुम्हारी,
ले पूजा की थाली ।
वरद हस्त सर पर रख दो,
मॉ सकंट हरने वाली ।
मॉ भर दो भक्ति रस प्याली,
अष्ट भुजाओ वाली,
भक्तो के कारज तू ही सारती ।
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

अम्बे तू है जगदम्बे काली,
जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाये भारती,
ओ मैया हम सब उतरें, तेरी आरती ॥

≪·◦ ❋ ◦·≫

॥ Durga Arati ॥

Ambe tu hai jagdambe kaali,
Jai durge khappar waali ॥
Tere hi gun gaye bhaarti,
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Tere bhakt jano par,
Bheer padi hai bhaari maa ॥
Daanav dal par toot pado,
Maa karke singh sawaari ॥
Sau-sau singho se balshaali,
Asht bhujao waali,
Dushto ko palme sanhaarti ॥
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Ambe tu hai jagdambe kaali,
Jai durge khappar waali ॥
Tere hi gun gaye bhaarti,
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Maa bete ka hai is jag mein,
Bada hi nirmal naata ॥
Poot – kapoot sune hai par na,
Mata suni kumaata ॥
Sab pe karuna darshaane waali,
Amrit barsaane waali,
Dukhiyo ke dukhde nivaarati ॥
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Ambe tu hai jagdambe kaali,
Jai durge khappar waali ॥
Tere hi gun gaye bhaarti,
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Nahi maangte dhan aur daulat,
Na chaandi na sona maa ॥
Hum to maange maa tere man mein,
Ek chhota sa kona ॥
Sabki bigdi banaane waali,
Laaj bachaane waali,
Satiyo ke sat ko sawaarti ॥
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Ambe tu hai jagdambe kaali,
Jai durge khappar waali ॥
Tere hi gun gaye bhaarti,
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

== Additional ==
Charan sharan mein khade tumhaari,
Le pooja ki thaali ॥
Vardaan hast sar par rakh do,
Maa sakant harne waali ॥
Maa bhar do bhakti ras pyaali,
Asht bhujao waali,
Bhakto ke kaaraj tu hi saarati ॥
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

Ambe tu hai jagdambe kaali,
Jai durge khappar waali ॥
Tere hi gun gaye bhaarti,
O maiya hum sab utaren, teri aarti ॥

✧˖°.....°*❋ ❋*°.....˖✧

Free download PDF of all types of mantra, stotram,vandana,arati: chalisapdf.net